KANHA BOOKS International

Teacher's Manual

नंदिनी

(हिंदी पाठ्य-पुस्तक)

कक्षा-7

Vidyalaya Prakashan

An ISO 9001 : 2008 Certified Company
(Publishers of Quality Educational Books)

विषय-सूची

1.	आगे बढ़ते जाएँगे	3
2.	पंच परमेश्वर	4
3.	समय-नियोजन	7
4.	स्वामी विवेकानंद	10
5.	दोहे	14
6.	वनराज से मुलाकात	16
7.	हम पंछी उन्मुक्त गगन के	19
8.	मिठाईवाला	21
9.	स्वर्ग बना सकते हैं	23
10.	हिमालय की बेटियाँ	26
11.	नॉर्वे से पत्र	28
12.	पुष्प की अभिलाषा	31
13.	गौरा	33
14.	कोई नहीं पराया	37
15.	सच्ची वीरता	39
16.	प्रियतम	42
17.	गुलेलबाज लड़का	45
18.	जल-यात्रा	47

Vidyalaya Prakashan

An ISO 9001 : 2008 Certified Company
(Publishers of Quality Educational Books)

Sales Office
C-24, Jwala Nagar, Transport Nagar, Meerut-250002
Ph. : 0121-2400630, 8899271392

Head Office
A-102 Chander Vihar, Delhi-110092
e-mail : vidyalayaprkashan@yahoo.in

कक्षा-7

1 आगे बढ़ते जाएँगे

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) धरती माता की (ख) (ब) धरती माँ को

(ग) (ब) गरीबों का (घ) (स) हठ

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) कवि को दुख की परवाह नहीं है।

(ख) विषम स्थितियों में हमें अपने पाँव पीछे नहीं हटाने चाहिए।

(ग) कवि देश के लिए तन-मन-धन न्योछावर करने की बात कह रहा है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) 'हम आगे बढ़ते जाएँगे' इस पंक्ति में कवि धरती माँ के गुणगान गाते हुए आगे बढ़ते जाने की बात कह रहे हैं।

(ख) कवि धरती माता के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने की बात इसलिए कह रहा है क्योंकि वह मातृभूमि का विकास चाहता है तथा अपने देश को उन्नत बनाना चाहता है।

(ग) 'माता के लिए मरेंगे'-इस पंक्ति में कवि कहना चाहते हैं कि मातृभूमि की रक्षा के लिए हम अपने प्राण न्योछावर कर देंगे।

(घ) कवि द्वारा कविता में संदेश दिया गया है कि हम अपनी मातृभूमि का गुणगान करेंगे। सुख और दुख की परवाह किये बिना हम भारतीय अपना तन-मन-धन और प्राण भी न्योछावर कर देंगें। कड़ी धूप और भारी बारिश में भी पीछे नहीं हटेंगे; आगे ही बढ़ते जाएगे। हम भारतीय गरीबों के कष्ट दूर करेंगे और धरती माँ के लिए मर मिटेंगे। अपना संकल्प पूरा करने के लिए आगे बढ़ते जाएंगे।

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए–

भावार्थ भारतीय अपनी मातृभूमि का गुणगान करते हुए आगे बढ़ते जाएँगे। भारतीयों को ना तो किसी सुख की चाह है और ना ही वे किसी दुख की परवाह करते हैं।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

जननी–माँ	अंबा	माता
तन–शरीर	देह	काया
चाह–इच्छा	अभिलाषा	कामना
वर्षा–बारिश	बरसात	बरखा

2. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों (विशेष्य) के दो-दो उपयुक्त विशेषण लिखिए–

जननी–सुंदर, सुशील तन– हृष्ट-पुष्ट, कमज़ोर

वर्षा– भारी, अत्यधिक धन-अपार, अत्यधिक

3. 'ष्ट' संयुक्ताक्षर है इसका प्रयोग करके 'कष्ट' शब्द बना है। इसी प्रकार, निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों का प्रयोग कर दो-दो शब्द बनाइए–

द्य–विद्या, विद्यालय न्ह–नन्हा, कान्हा

न्य–न्याय, अन्य ध्व–ध्वज, ध्वस्त

4. कविता में आए लययुक्त शब्दों को लिखिए।

चाह-परवाह,	चढ़ाएँगे-जाएँगे,	कड़ी-झड़ी
हटाएँगे-जाएँगे	हरेंगे-मरेंगे	निभाएँगे-जाएँगे।

2 पंच परमेश्वर

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (अ) अलगू चौधरी से (ख) (ब) अलगू चौधरी को

(ग) (द) डेढ़ सौ रुपये (घ) (ब) परमेश्वर

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) अटल (ख) निष्ठुर (ग) पंचायत

(घ) सिद्धि (ङ) मित्रता

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) मौसी की संपत्ति अपने नाम लिखवाने के लिए जुम्मन ने लंबे-चौड़े वादे किए और खालाजान का खूब आदर-सत्कार किया।

(ख) अलगू चौधरी के पंच बनने पर जुम्मन को इस बात का पूरा विश्वास था कि फैसला उसी के पक्ष में आएगा।

(ग) एक बैल के मर जाने पर अलगू ने दूसरे बैल को बेच दिया।

(घ) सरपंच का स्थान ग्रहण करते समय जुम्मन के मन में अपनी जिम्मेदारी का भाव पैदा हुआ।

(ङ) यह कथन जुम्मन शेख ने अलगू चौधरी को कहा क्योंकि जुम्मन और खाला की लड़ाई में अलगू चौधरी ने खाला के पक्ष में निर्णय लिया था।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) जुम्मन की खाला इसलिए परेशान हो गई थी क्योंकि जुम्मन ने खाला से लंबे-चौड़े वादे करके उनकी सारी संपत्ति अपने नाम करवा ली थी, परंतु उसके बाद जुम्मन और उसकी पत्नी खाला को खाना खिलाते हुए कड़वी बातें सुनाते थे तथा निष्ठुर हो गए थे। खाला को नित्य ही खाना खाने के लिए कठोर बातें सुननी पड़ती थीं।

(ख) बूढ़ी खाला ने पंचों से विनती की कि तीन वर्ष पहले उसने अपनी सारी जायदाद अपने भांजे जुम्मन के नाम कर दी थी। इसके बदले जुम्मन ने उसे उम्र भर रोटी, कपड़ा देने का वादा किया था। सालभर किसी तरह रो-धोकर निकाला गया पर अब वह जुम्मन के साथ नहीं रह सकती क्योंकि न तो वह पेटभर भोजन देता है और न ही तन ढकने को कपड़ा देता है। अतः बूढ़ी खाला ने पंचों से न्याय करने की विनती की क्योंकि उन्हें पंचों के फैसले पर पूर्ण विश्वास था।

(ग) अलगू चौधरी ने सरपंच बनकर फैसला सुनाया कि उन्हें नीति और न्याय संगत ज्ञात होता है कि बूढ़ी खाला को माहवार खर्च दिया जाए। खाला की जायदाद से इतना लाभ तो जुम्मन को अवश्य ही होगा कि उन्हें माहवार खर्च दिया जा सके। यदि जुम्मन को फैसला नामंजूर हो तो संपत्ति की रजिस्ट्री रद्द समझी जाए।

(घ) सरपंच बनने पर जुम्मन शेख अपना बदला इसलिए नहीं ले सका क्योंकि जब वह सरपंच बना तो उसके दिल में सरपंच के उच्च्य स्थान की ज़िम्मेदारी का भाव उत्पन्न हो गया।

(ङ) सच्चे न्याय के लिए पंच परमेश्वर की जय-जयकार हो रही थी।

(च) 'मित्रता की मुरझाई हुई लता फिर से हरी हो गई' इस वाक्य का अभिप्राय यह है कि दोनों मित्रों के मन से बैर खत्म हो गया और वे एक-दूसरे के दुबारा मित्र बन गए ।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में आए उद्देश्य और विधेय अलग-अलग करके लिखिए–

	उद्देश्य	विधेय
(क)	जुम्मन	हज करने गये थे
(ख)	बूढ़ी खाला	हाथ में एक लकड़ी लिए दौड़ती रही
(ग)	पंच लोग	बैठ गए
(घ)	हम और तुम	पुराने दोस्त हैं
(ङ)	समझू ने	बैल को जान-बूझकर मारा है

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए–

(क) क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे?

(ख) उन्होंने पान, इलायची, हुक्के, तंबाकू आदि का प्रबंध भी किया था।

(ग) अलगू चौधरी बोले, ''शेख जुम्मन हम और तुम पुराने दोस्त हैं।''

(घ) अरे! अल्लाह के बंदे पंचों का नाम क्यों नहीं बता देता?

(ङ) प्रश्नोत्तर होते-होते हाथापाई की नौबत आ पहुँची।

3. निम्नलिखित वाक्यों में कारक-चिह्नों को रेखांकित कीजिए तथा कारक के भेद का नाम बताइए–

(क)	जुम्मन ने धृष्टता के साथ उत्तर दिया।	कर्ता कारक
(ख)	तुम भी दमभर के लिए मेरी पंचायत में चले आना।	संप्रदान कारक
(ग)	मैं पंचों का हुक्म सिर-माथे पर चढ़ाऊँगी।	संबंध कारक
(घ)	आसपास के गाँव के लोग बैलों के दर्शन करते रहे।	संबंध कारक
(ङ)	पानी से दोनों के दिल का मैल धुल गया।	करण कारण

5. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) मृत्यु ना होना–मीना की दादी तो मौत से लड़कर आई हैं, जो सौ वर्ष की आयु में भी बिलकुल स्वस्थ हैं।

(ख) किसी व्यक्ति को अत्यधिक महत्त्व देना–रमेश के पिता जी को रमेश को सिर चढ़ाना कुछ ज्यादा ही महँगा पड़ गया।

(ग) उचित निर्णय करना–सेठ रामदास ने नौकर की चोरी पकड़कर दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया।

(घ) डर जाना–शेर को सामने देखते ही पर्यटकों का लहू सूख गया।

(ङ) किसी के लिए गलतफहमी दूर हो जाना–चंदू और उसके दोनों भाइयों के बीच का दिल का मैल धुल जाने पर उनके माता-पिता बहुत प्रसन्न हुए।

3 समय-नियोजन

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (अ) समय के अभाव की (ख) (ब) धन के समान

(ग) (स) 5-6 घंटे (घ) (अ) सफलता

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) व्यस्त (ख) समय (ग) धन

(घ) विद्यार्थियों (ङ) समय-तालिका

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) हम अपने किसी भी कार्य को न कर पाने का कारण समय का अभाव देते हैं।

(ख) हम अपने आलस के कारण समय के अभाव की दुहाई दिया करते हैं।

(ग) गांधी जी पत्रों का जवाब अकसर हाथ से ही लिखकर देते थे।

(घ) समय के अनुसार काम करने पर हमारे जीवन की व्यस्तता के बीच भी निश्चिंतता आ जाती है।

(ङ) हम जीवन में सुख, समृद्धि, शांति चाहते हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) यदि हम सही ढंग से आत्म-विश्लेषण करें, तो हम पाएँगे कि हमारी समयाभाव शिकायतें गलत सिद्ध हो जाती हैं। हम अपने आप को समझ नहीं पाते और तभी ऐसी शिकायतें करते हैं। हम अपने आलस्य के कारण सदैव समय के अभाव की दुहाई दिया करता है। वस्तुतः कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं, जो व्यस्तताओं के बीच भी उन कामों को न कर सके, जिसे करना वह अनिवार्य मानता है।

(ख) गांधी जी और नेहरू जी दोनों का जीवन प्रमाणित करता है कि यदि हम अपना समय सोच-समझकर विभाजित कर लें और फिर उस पर दृढ़ता से आचरण करें तो अपने निश्चित व्यवसाय के अतिरिक्त भी, अन्य अनेक कार्यों के लिए हमें पर्याप्त समय मिलता रहेगा। समय की कमी की शिकायत फिर कभी नहीं रहेगी। इसके लिए हमें सतत सचेष्ट और जागरूक अवश्य रहना पड़ेगा।

(ग) समय धन के समान है। 'समय के हिसाब में थोड़ा ज्यादा ही सावधानी बरतें, ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि, धन तो आता-जाता रहता है किंतु समय फिर वापस नहीं आता। समय का बजट बनाना जिसने सीख लिया, उसने जीने की कला सीख ली, सुख और समृद्धि के भंडार की कुंजी प्राप्त कर ली।

(घ) समय-विभाजन के अनुसार काम करने पर हम हमारे जीवन की व्यस्तता के बीच निश्चिंतता आ जाती है। सभी काम सुचारु रूप से और निश्चित समय पर अनायास होते चलते हैं। कसरत के लिए, आध्यात्मिक मनन-चिंतन के लिए और पठन-पाठन के लिए समय निकल आता है। यही नहीं, अपने व्यवसाय में भी हम पहले से कहीं अधिक कुशल एवं सक्षम बन जाते हैं। सारी उतावली और परेशानी काफ़ूर हो जाती है।

(ङ) सुख, समृद्धि एवं शांति तभी मिल सकती हैं, जब हम इनको पाने का निरंतर प्रयास करते चलें। यदि हम व्यायाम के लिए, चिंतन के लिए, अध्ययन के लिए समय नहीं निकाल पाएँगे, तो हमारा तन-मन स्वस्थ और सबल नहीं बन सकेगा। विषम परिस्थितियों में भी हम अपना संतुलन नहीं बनाए रख सकेंगे। अतः जीवन को सही अर्थों में सफल बनाने के लिए यह आवश्यक है कि इन सभी की साधना में रोज़ कुछ-न-कुछ समय लगाएँ।

(च) वयस्कों की अपेक्षा विद्यार्थियों के लिए समय-पालन का कई कारणों से अधिक महत्त्व है क्योंकि विद्यार्थियों को एक लंबा जीवन जीना है और

सफलता की ऊँची-से-ऊँची मंज़िलें तय करनी हैं। दूसरी बात यह है कि विद्यार्थी-जीवन में जो आदतें पड़ जाती हैं, वे जीवनपर्यंत बनी रहती हैं। विद्यालयों में छात्रों को समय-तालिका दी जाती है, लेकिन वह केवल 5-6 घंटों के लिए होती है। शेष 18-19 घंटों की भी कार्य-तालिका बना लें, तो निश्चय ही ऐसा करने वाले छात्र न केवल परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होंगे बल्कि सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक आदि कार्यक्रमों तथा खेलकूद, व्यायाम आदि के लिए पर्याप्त समय निकाल सकेंगे।

(छ) समय-तालिका बनाकर उसका दृढ़ता और निष्ठा के साथ पालन करने पर और निर्धारित समय पर निश्चित काम करने से हमें जीवन में सफलता मिलती है।

व्याकरण-ज्ञान

1. नीचे लिखे शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए–

विद्यार्थी–विद्या + अर्थी	प्रार्थना–प्र + अर्थना
निरंतर–निः + अंतर	समयाभाव–समय + अभाव
प्रमाण– प्र + मान	संभव–सम् + भव

2. निम्नलिखित शब्दों में आए मूल शब्द और उपसर्ग/प्रत्यय अलग करके लिखिए–

	मूल शब्द	**उपसर्ग**	**प्रत्यय**
(क)	भाव	अ	
(ख)	व्यस्त		ता
(ग)	कर्म	सह	ई
(घ)	प्रमाण		इत
(ङ)	सतर्क		ता
(च)	अध्यात्म		इक
(छ)	समाज		इक
(ज)	संस्कृति		इक
(झ)	साहित्य		इक
(ञ)	सफल		ता

3. पाठ में आए कुछ शब्दों के जोड़े, जैसे–लिख-पढ़, कोने-कोने, मनन-चिंतन, पठन-पाठन आदि शब्द-युग्म कहलाते हैं। ऐसे ही किन्हीं पाँच शब्द युग्मों को लिखकर उनका वाक्य प्रयोग कीजिए।

(क) देश-विदेश–भारतीयों ने देश-विदेश में अपना नाम रोशन किया है।

(ख) ठीक-ठीक– मुझे मानसी की साड़ी ठीक-ठीक ही लगी।

(ग) लेखा-जोखा–पिता जी ने दीदी की शादी के सारे खर्च का लेखा-जोखा माँ को बताया।

(घ) तन-मन–व्यायाम करने से हमारा तन-मन स्वस्थ रहता है।

(ङ) कोने-कोने–राम मंदिर के दर्शनों के लिए विश्व के कोने-कोने से लोग आ रहे हैं।

4. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए –

(क) नेहरू जी कितना व्यस्त रहते थे?

(ख) हम जीवन में क्या चाहते हैं?

इन वाक्यों के अंत में 'प्रश्नवाचक चिह्' (?) लगाया गया है; अतः ऐसे वाक्य प्रश्नवाचक वाक्य कहलाते हैं। छात्र पाठ में आए किन्हीं पाँच सरल वाक्यों को प्रश्नवाचक वाक्यों में बदलकर लिखें।

(क) हम अकसर क्या शिकायत करते हैं?

(ख) क्या समय धन के समान है?

(ग) हमारा तन-मन कैसे स्वस्थ और सबल बन सकेगा?

(घ) अपने व्यवसाय में हम पहले से कहीं अधिक कुशल एवं सक्षम कैसे बन जाते हैं?

(ङ) निर्धारित समय पर निश्चित काम करने से हमें जीवन में क्या मिलता है?

4 स्वामी विवेकानंद

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) नरेंद्रनाथ (ख) (अ) सन् 1886 ई0

(ग) (अ) शिकागो (घ) (ब) नई पीढ़ी के युवकों पर

2. सही कथन के लिए सत्य तथा गलत कथन के लिए असत्य लिखिए–

(क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य

(घ) सत्य (ङ) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 ई0 को कोलकाता के एक समृद्ध परिवार में हुआ।

(ख) स्वामी विवेकानंद का प्रिय विषय दर्शनशास्त्र था।

(ग) रामकृष्ण जी की इच्छा थी कि उनके शिष्य संन्यासी का जीवन व्यतीत करें।

(घ) स्वामी जी की बातों से मैसूर के महाराजा प्रभावित हुए तथा उनसे प्रभावित होकर उन्होंने अपने यहाँ एक निःशुल्क प्राथमिक विद्यालय खोला।

(ङ) शिकागो में विवेकानन्द जी ने अपना संबोधन 'देवियों और सज्जनों' से न शुरू कर 'मेरे प्यारे भाइयों और बहनों' से आरंभ किया। उनके इस संबोधन ने लोगों को इतना मुग्ध किया कि सभी लोग खड़े होकर तालियाँ बजाने लगे।

(च) स्वामी जी के वक्तव्य और अमेरिका के समाचार-पत्रों में उनकी प्रशंसा की खबर जब भारत पहुँची तो लोगों में उनके प्रति अपार श्रद्धा का भाव जागा और सबका ध्यान देश की उपलब्धियों की ओर गया और जागृति की लहरें हिलोरें लेने लगीं। इसी कारण शिकागो से वापिस भारत आने पर स्वामी जी का अभूतपूर्व स्वागत हुआ।

(छ) 'यही देश की गुलामी का कारक है।' स्वामी जी ने इस कथन में ईर्ष्या को देश की गुलामी का कारक बताया है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) नरेंद्रनाथ और उनके साथियों ने बारानगर में एक मठ की स्थापना की और निश्चय किया कि सभी एक साथ रहेंगे और माँगने से जो कुछ मिलेगा उसी से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। इसी क्रम में जब नरेंद्रनाथ यहाँ-वहाँ घूमने लगे तो वह विवेकानंद कहलाने लगे।

(ख) विवेकानंद को अपने भ्रमण के दौरान यह देखकर अत्यंत दुख हुआ कि भारत के लोग अंधविश्वासी, भूखे-नंगे और जाति-प्रथा के सताए हुए हैं। सबसे ज़्यादा दुःख उन्हें यह देखकर हुआ कि भारत के शिक्षित लोग इस कठोर सत्य से अनजान हैं।

(ग) स्वामी विवेकानंद इस बात से दुखी थे कि देश के पढ़े-लिखे लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को भूल रहे हैं। उन्होंने देशवासियों से कहा कि हमें भारतीय होने पर गर्व होना चाहिए। वस्तुतः वह पश्चिम की शिक्षा की खूबियों के विरुद्ध नहीं थे। वह चाहते थे कि वहाँ कि अच्छाइयों को ग्रहण कर देश की उन्नति करें, पर अपने देश की खूबियों को भूलें नहीं।

(घ) शिकागो में विवेकानन्द जी ने अपना संबोधन 'देवियों और सज्जनों' से न शुरू कर 'मेरे प्यारे भाइयों और बहनों' से आरंभ किया। उनके इस संबोधन ने लोगों को इतना मुग्ध किया कि सभी लोग खड़े होकर तालियाँ बजाने लगे। इसके बाद उन्होंने हिंदू धर्म के मूल तत्वों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि वेदांत का आदर्श है मनुष्यों को जानना जैसा कि वह सचमुच है। उसका संदेश है कि यदि तुम अपने प्रकार के बंधु की पूजा नहीं कर सकते हो तो अप्रकट ईश्वर की पूजा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म संसार के सभी लोगों को अपना परिवार मानता है। यही कारण है कि यहाँ सभी धर्मों के लोग साथ-साथ रहते हैं। हिंदू सभी धर्मों का आदर करते हैं। स्वामी जी की बातों से वहाँ के लोग बहुत प्रभावित हुए और और सभी समाचार-पत्रों में स्वामी जी भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

(ङ) स्वामी जी का युवकों पर अपार विश्वास था क्योंकि उन्होंने कहा था कि वह नई पीढ़ी पर विश्वास करते हैं। इन्हीं में से वे लोग निकलेंगे जो सारी समस्याओं का समाधान करेंगे। वह चाहते थे कि युवक सिंहों की भाँति ऊर्जावान हों।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाविशेषण छाँटिए तथा उसका भेद भी लिखिए–

(क) धीरे-धीरे — रीतिवाचक क्रियाविशेषण

(ख)	यहाँ-वहाँ	स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(ग)	बड़ी मुश्किल	रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(घ)	भूरि-भूरि	परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
(ङ)	अभूतपूर्व	रीतिवाचक क्रियाविशेषण

2. रेखांकित शब्दों के लिए उचित सर्वनाम का प्रयोग करके वाक्य पुनः लिखिए–

(क) उनका असली नाम नरेंद्रनाथ दत्त था।

(ख) वह एक दिन दक्षिणेश्वर गए।

(ग) उन्होंने और उनके साथियों ने एक मठ की स्थापना की।

(घ) उन्होंने उनसे कहा कि देशवासियों को भारतीय होने पर गर्व होना चाहिए।

(ङ) उनके संबोधन ने लोगों को मुग्ध कर दिया।

(च) उनकी बात उसके मन को छू गई।

3. निम्नलिखित संबंधबोधक शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए–

(क) की ओर– घर की ओर जाते हुए मैंने एक साँप देखा।

(ख) की उपेक्षा– नारी की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए।

(ग) के अलावा– अमन के अलावा उसका भाई भी होशियार है।

(घ) के सामने– घर के सामने सुंदर बगीचा है।

(ङ) के कारण– हमारे देश के वीर जवानों के कारण हम सब सुख-शांति से अपना जीवन जी पा रहे हैं।

4. निम्नलिखित योजक शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए–

(क) लेकिन– मुझे आज घूमने जाना था **लेकिन** बारिश हो गई।

(ख) और– राम **और** उसके मित्र पढ़ रहे हैं।

(ग) क्योंकि– वह परीक्षा में पास नहीं हो सका **क्योंकि** उसने अच्छे से पढ़ाई नहीं की थी।

(घ) किंतु – मैं तुम्हें बुला रहा था **किंतु** तुम जा चुके थे।

(ङ) इसलिए– उनकी कार बड़ी है **इसलिए** आरामदायक है।

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) सज्जन लोग (ख) (ब) संत

(ग) (स) उपकार की भावना

(घ) (स) जो कठिन समय में हमारी सहायता करे

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) संत कबीर ने सोना, सज्जन और साधु में यह समानता बताई है कि बार-बार टूटने और रूठने पर भी ये तीनों बार-बार जुड़ जाते हैं।

(ख) संत कबीर ने ईश्वर से अपने परिवार के लिए इतनी संपत्ति माँगी है कि जिसमें वह अपने परिवार की ज़रूरतें भी पूरी कर सकें और अगर कोई मेहमान घर आए तो उन्हें भी भरपेट खाना खिला सकें।

(ग) कबीर ने सब गुणों की खान उसे बताया है जो शील स्वभाव का होता है।

(घ) जाल को पानी से बाहर खींचने पर उसमें से जल बह जाता है।

(ङ) पेड़ अपना फल स्वयं इसलिए नहीं खाते क्योंकि वे परोपकारी आचरण वाले होते हैं।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) कबीर के अनुसार सज्जन अच्छे लोगों से संबंध बनाकर उसे कायम रखता है। वे रूठते हैं तो उन्हें बार-बार मनाकर संबंध को जोड़े रखता है। दुर्जन का व्यवहार इसके विपरीत होता है। जैसे मटके को ज़रा-सा धक्का मारने पर वह फूट जाता है। उसी तरह दुर्जन व्यक्ति टूट रहे संबंध को पूरी तरह तोड़ने में संकोच नहीं करता।

(ख) कबीर को ढूँढ़ने पर भी बुरा व्यक्ति नहीं मिला क्योंकि जब वह संसार में बुराई खोजने चले तो उन्होंने अपने मन में झाँककर देखा तो पाया कि स्वयं से बुरा कोई नहीं है।

(ग) रहीम मनुष्य को धरती के माध्यम से यह सीख देना चाहते हैं कि जिस प्रकार धरती सर्दी, गर्मी और बरसात सभी मौसमों में समान रहकर उनको सहती है वैसे ही मनुष्य को भी अपने जीवन में आने वाले सुख-दुख को समान रूप से सहना चाहिए।

(घ) जब जीवन में काफी धन-दौलत और मान-सम्मान बढ़ जाता है तो जीवन में मित्रों की अधिकता होती है।

(ङ) रहीम ने क्वार के बादलों की तुलना उन लोगों से की है जो पहले अमीर थे लेकिन अब वे गरीब हो चुके हैं क्योंकि जिस प्रकार क्वार के बादल केवल गजरते हैं, पर बरसते नहीं है; ठीक उसी प्रकार अमीरी से निर्धन हुए व्यक्ति केवल दिखावे रूप में अमीरी की बात करते हैं जबकि वे भीतर से खोखले होते हैं।

4. निम्नलिखित दोहों के भावार्थ लिखिए–

(क) **भावार्थ**–कबीरदास जी कहते हैं कि प्रभु मुझे अधिक धन और संपत्ति नहीं चाहिए, मुझे केवल इतना दीजिए जिससे मेरा परिवार अच्छी तरह पेट भर सके। मैं भी भूखा न रहूँ और मेरे घर से कोई भी जरूरतमंद और अतिथि भूखा न जाये।

(ख) **भावार्थ**–जीवन में विनम्रता सबसे बड़ा गुण होता है, यह सब गुणों की खान है। सारे जहाँ की दौलत होने के बाद भी सम्मान केवल विनम्रता से ही मिलता है।

(ग) **भावार्थ–**रहीमदास जी कहते है कि पेड़ स्वयं अपने फल कभी नहीं खाता। तालाब कभी अपना पानी नहीं पीता अर्थात उनका फल और पानी दूसरों के लिए होता है। उसी तरह सज्जन लोग जो भी कार्य करते हैं, वे स्वयं के लिए नहीं करते बल्कि दूसरों की भलाई के लिए करते हैं। सज्जन लोग दूसरों की भलाई के लिए ही संपत्ति का संग्रह करते हैं ताकि उससे परोपकार का कार्य कर सकें।

(घ) **भावार्थ**–रहीमदास जी कहते है कि मछली का जल के प्रति घनिष्ट प्रेम होता है। वह कहते हैं कि मछली पकड़ने के लिए जब जाल में पानी डाला जाता है तो जाल पानी से बाहर खींचते ही जल उसी समय जाल से निकल जाता है। परंतु मछली जल को छोड़ नहीं सकती और वह पानी से अलग होते ही मर जाती है।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित हिंदी रूप लिखिए; जैसे–ऐकै-एक

धका–धक्का	मछरी–मछली
बिपति–विपत्ति	बादर–बादल
सीत–ठंड	मीत–मित्र

2. दोहों की निम्नलिखित पंक्तियों में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है, लिखिए–

(क) अनुप्रास अलंकार

(ख) अनुप्रास अलंकार

(ग) अनुप्रास अलंकार

3. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–

कुम्हार–कुंभकार	रतन–रत्न
धरती–धृति	सोना–स्वर्ण
मछली–मत्स्य	मीत–मित्र
बादल–वारिद	सरवर–सरोवर

6 वनराज से मुलाकात

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (अ) चंद्रलोक पर (ख) (ब) शाम में छह बजे

(ग) (ब) पीने और नहाने के लिए पानी नहीं मिलता

(घ) (अ) मनुष्य

2. सही कथन के लिए सत्य तथा गलत कथन के लिए असत्य लिखिए–

(क) सत्य (ख) सत्य

(ग) असत्य (घ) सत्य

(ङ) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) शंकर, पार्वती एवं नारद जी विश्वयात्रा पर जा रहे थे।

(ख) लकड़हारे के दुखी होने का कारण यह था कि वनराज वन छोड़कर गाँव की ओर आ जाते हैं और मनुष्यों और पालतू जानवरों को खा जाते हैं।

(ग) वनराज के दरबार में हिरण, बंदर तथा भालू ने अपनी समस्या नारद जी को बतायी।

(घ) भालू ने नदी के दूषित होने का कारण यह बताया कि नदी के पानी में चमड़े के कारखानों की गंदगी को बहाया जाता है, जिससे पूरी नदी दूषित हो गई है।

(ङ) मनुष्यों का संपूर्ण अस्तित्व पर्यावरण पर निर्भर करता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) भगवान ने पृथ्वीलोक पर जाने का फैसला इसलिए किया क्योंकि मानव दुखी था और भगवान उनकी सुधि लेना चाहते थे।

(ख) वनराज ने सभी पशुओं की सभा इसलिए बुलाई क्योंकि लकड़हारे ने भगवान से शिकायत की थी कि वनराज बहुत नुकसान करते हैं और मानव उनसे दुखी है। इस बात पर नारद जी ने वनराज को बुलाया और उनसे मानव को दुखी करने का कारण पूछा। अतः वनराज ने इस शिकायत पर न्याय पाने के लिए पशुओं की सभा बुलाई।

(ग) बंदर की समस्या यह थी कि पेड़ न रहने से उन्हें भोजन नहीं मिल रहा था। जब वह शहर की ओर जाते हैं और छतों पर कूदते हैं तथा बच्चों के हाथों की मिठाई खा जाते हैं तो मानव उन्हें मारता है।

(घ) मनुष्य ने वनों की अंधाधुंध कटाई इसलिए की क्योंकि संसार में मनुष्यों की संख्या बहुत बढ़ गई है। उनका परिवार भी बढ़ा है। इनके लिए मकान, भोजन और वस्त्र के लिए उन्हें वन काटने पड़े।

(ङ) वनों की अंधाधुंध कटाई से प्रकृति का संतुलन बिगड़ेगा तथा सभी के लिए भोजन, पानी और शुद्ध हवा की कमी पड़ जाएगी।

(च) मानव ने वनों की दुर्दशा का दोषी स्वयं को इसलिए माना है क्योंकि उसने बढ़ते हुए परिवार और दिनों-दिन लकड़ी की बढ़ती हुई आवश्यकता को पूरा करने के लिए वनों को बेरहमी से काट दिया।

व्याकरण-ज्ञान

1. 'स' 'प्र' तथा 'दुर्' का उपयोग करके पाँच-पाँच शब्द लिखिए।

'स' उपसर्ग– सतह, सफल, सपरिवार, सशस्त्र, सकल।

'प्र' उपसर्ग– प्रकार, प्रयोग, प्रताप, प्रहार, प्रवाह।

'दुर्' उपसर्ग– दुर्लभ, दुर्भाग्य, दुर्गम, दुर्जन, दुर्गंध।

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए तथा संधि-भेद भी बताइए–

दुर्गंध– दुः + गंध – विसर्ग संधि

संसार– सम् + सार– व्यंजन संधि

पर्यावरण– परि + आवरण –स्वर संधि

स्वागत– सु + आगत – स्वर संधि

3. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए तथा अर्थ के आधार पर प्रत्येक वाक्य का भेद बताइए–

(क) प्रश्नवाचक वाक्य

(ख) विधानवाचक वाक्य

(ग) आज्ञावाचक वाक्य

(घ) निषेधवाचक वाक्य

(ङ) संकेतवाचक वाक्य

4. निम्नलिखित समस्त पदों का समास विग्रह कीजिए तथा समास का भेद भी बताइए–

	समास विग्रह	समास भेद
(क)	विश्व का भ्रमण	तत्पुरुष समास
(ख)	शिव और पार्वती	द्वंद्व समास
(ग)	देव का लोक	तत्पुरुष समास
(घ)	विश्व की यात्रा	तत्पुरुष समास

7 हम पंछी उन्मुक्त गगन के

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) पिंजरे में बंद होकर (ख) (ब) बहता जल

(ग) (द) आकाश की सीमा तक उड़ने के अरमान

(घ) (स) घोंसला

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) पक्षी के पिंजरे की तीलियाँ सोने की बनी हुई हैं।

(ख) पक्षियों के लिए पिंजरे में रखे मैदा से बेहतर नीम का फल है।

(ग) पिंजरे में बंद पक्षी उड़ना और पेड़ों पर अपना घोंसला बनाना भूल जाते हैं।

(घ) पक्षियों को आश्रय छिन्न-भिन्न होने का दुख इसलिए नहीं होता क्योंकि वे खुले आसमान में उड़ना चाहते हैं।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) पिंजरे में पक्षी खुले आसमान में उड़ान नहीं भर सकते, बहती नदियों का जल नहीं पी सकते, कड़वी निबोरियाँ नहीं खा सकते, फुदक नहीं सकते, अपने पंख नहीं फैला सकते तथा अनार के दानों रूपी तारों को चुग नहीं सकते।

(ख) हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद नहीं रहना चाहते क्योंकि उन्हें बंधन का जीवन नहीं पसंद बल्कि स्वतंत्रता पसंद है। वे खुले आकाश में आज़ादीपूर्वक उड़ना चाहते हैं।

(ग) पक्षी आज़ाद होकर जंगल की कड़वी निबौरी खाना चाहते हैं तथा खुले और फैले हुए आकाश में उड़ना चाहते हैं। वे बहती हुई नदियों का शीतल जल पीना चाहते हैं, पेड़ की सबसे ऊँची टहनी पर झूलना और क्षितिज से मिलना चाहते हैं।

(घ) कविता में पक्षी मनुष्य से उन्हें स्वतंत्र करने की विनती कर रहे हैं। वे मनुष्य से विनती करते हैं कि उनसे उनका घोंसला छीन लो, उनको आश्रय

देने वाली टहनियाँ छीन लो, उनके घर नष्ट कर दो, लेकिन यदि भगवान ने उन्हें पंख दिए हैं, तो उनसे उड़ने का अधिकार ना छीनो।

(ङ) इस कविता के माध्यम से पक्षी संदेश देना चाहते हैं कि उन्हें परतंत्रता किसी भी कीमत पर पसंद नहीं है। स्वतंत्रता सभी को प्रिय है और यदि किसी कारणवश गुलामी की बेड़ियाँ लग भी जाएँ तब भी अपनी आजादी के लिए निरंतर प्रयास करते रहें।

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) कविता की इन पंक्तियों का भाव यह है कि पक्षी स्वतंत्र होने की चाह दिखा रहे हैं। वे मनुष्य से कहते हैं कि हम खुले आकाश में उड़ने वाले प्राणी हैं, हम पिंजरे में बंद होकर नहीं गा पाएँगे।

(ख) कविता की इन पंक्तियों का भाव यह है कि पक्षी अपनी लाल चोंच से गगन में बिखरे हुए तारे रूपी अनार के दाने चुगना चाहते हैं।

(ग) पक्षी कहते हैं कि अगर ईश्वर ने आकाश में उड़ने के लिए उन्हें पंख दिए हैं तो पिंजरे में बंद करके उनके अधिकार मत छीनो अर्थात पिंजरे में बंद करके उनकी उड़ान में बाधा न डालो।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों के भिन्न-भिन्न अर्थ लिखिए–

(क) बस– एक वाहन, वश, समाप्ति।

(ख) तारा– नक्षत्र, आँख की पुतली।

(ग) पर– पंख, लेकिन, पराया।

(घ) लाल– बेटा, एक रंग।

2. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के भेद बताइए–

(क) अनुप्रास अलंकार

(ख) अनुप्रास अलंकार

(ग) उपमा अलंकार

3. निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्‌भव रूप लिखिए–

कनक–सोना	श्रृंखला–सांकल
कटुक–कड़वा	आश्रम–आसरा

4. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

(क) आसमान, आकाश, नभ

(ख) पानी, नीर, पय

(ग) रश्मि, ज्योति, आभा

(घ) खग, पक्षी, विहग

(ङ) पेड़, वृक्ष, विटप

5. द्वंद्व समास के ऐसे ही दस अन्य उदाहरण लिखिए।

अन्न-जल, अपना-पराया, माता-पिता, सच-झूठ, सुख-दुख, दिन-रात, ऊँच-नीच, राजा-रानी, छोटा-बड़ा, दीन-हीन।

8 मिठाईवाला

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) खिलौने
(ख) (ब) खिलौनेवाले का
(ग) (द) सोलह
(घ) (अ) दो

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) मोलभाव
(ख) उस्ताद
(ग) समाचार-पत्र
(घ) अप्रतिभ
(ङ) मिठाईवाले

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) लोग मिठाईवाले की तरफ इसलिए आकर्षित होते थे क्योंकि वह विचित्र , किंतु मादक-मधुर ढंग से गाता था कि सुननेवाले एक बार अस्थिर हो उठते। वह बच्चों से बहुत प्यार से और उन्हीं की भाषा में तुतलाते हुए बात करता था।

(ख) मुरलीवाले के आने का समाचार नगरभर में फैल गया क्योंकि लोग कहते कि मुरली बजाने में वह एक ही उस्ताद है। मुरली बजाकर और गाना सुनाकर वह मुरली बेचता भी था और वह भी केवल दो-दो पैसे में।

(ग) मिठाईवाला बच्चों में उत्सुकता बनाए रखना चाहता था तथा उसको पैसे का कोई लालच नहीं था, इसलिए वह महीनों बाद आता था।

(घ) मुरलीवाला देखने में गोरा-पतला युवक था। उसकी उम्र लगभग 30-32 वर्ष थी। वह बीकानेरी रंगीन साफा बाँधता था।

(ङ) ''अब इस बार मैं पैसे न लूँगा।'' यह वाक्य मिठाईवाले ने रोहिणी से कहा।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) मिठाईवाला मिठाई के साथ-साथ खिलौने और मुरली भी बेचता था। वह ऐसा इसलिए करता था ताकि एक ही तरह की चीज से बच्चों का मन ऊब न जाए।

(ख) खिलौनेवाले के आने पर बच्चे खिलौने देखकर पुलकित हो उठते थे। बच्चों का झुंड उसे चारों तरफ से घेर लेता था। वे उससे खिलौनों का मोलभाव करते थे और खिलौने पाकर बच्चे खुशी से उछलने-कूदने लगते थे।

(ग) रोहिणी को मुरलीवाले का स्वर सुनकर खिलौनेवाले का स्मरण इसलिए हो आया क्योंकि वह खिलौनेवाले की तरह ही मधुर स्वर में गा रहा था तथा उसे उसका स्वर जाना-पहचाना लगा।

(घ) मुरलीवाला एकदम अप्रतिभ हो उठा क्योंकि रोहिणी के पति विजयबाबू ने उसकी बात पर विश्वास नहीं किया कि वह केवल उन्हें ही दो-दो पैसे में मुरली दे रहा है।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन समानार्थी शब्द लिखिए–

(क) उद्यान– बगीचा, उपवन, वाटिका

(ख) सागर– सिंधु, जलधि, समुद्र।

(ग) युवक– युवा, तरुण, नौजवान।

(घ) विधाता– भगवान, ईश्वर, परमात्मा।

2. निम्नलिखित सामासिक शब्दों का समास विग्रह कीजिए तथा समास का भेद भी बताइए–

	समास-विग्रह	समास-भेद
(क)	हर दिन	अव्ययीभाव समास
(ख)	समाचार के लिए पत्र	तत्पुरुष समास
(ग)	इच्छा के अनुसार	तत्पुरुष समास
(घ)	न स्थिर	नञ् तत्पुरुष समास

3. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्सुक–उदासीन   क्षीण–पुष्ट

व्यर्थ–सार्थक   विचित्र–साधारण

सजीव–निर्जीव   हर्ष–विषाद

निश्चय–अनिश्चय   मृदुल–कठोर

4. निम्नलिखित शब्दों में आए-मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए–

	मूल शब्द	प्रत्यय
(क)	प्रतिष्ठा	इत
(ख)	खिलौने	वाला
(ग)	दुकान	दार
(घ)	गंभीर	ता
(ङ)	आवश्यक	ता

9 स्वर्ग बना सकते हैं

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (द) उपर्युक्त सभी   (ख) न्याय के अनुसार सुख-सुविधा

(ग) (स) बिखरे हुए

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) कवि के अनुसार संसार में सबको समान रूप से प्रकाश और वायु चाहिए। सभी के जीवन का विकास बाधा रहित होना चाहिए तथा जीवन भय से मुक्त होना चाहिए।

(ख) मानवता की राह धर्म, जाति, वर्ग तथा वर्ण भेद ने समाज को विभिन्न वर्गों में बाँटकर रोक रखी है।

(ग) संसार को चैन तथा शांति की प्राप्ति तब तक नहीं होगी अब तक कि मनुष्य को न्याय के अनुसार सुख-सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हो जाती।

(घ) आज का मनुष्य अपने कर्तव्यों को भूलकर संदेह के जाल में फँस चुका है। वह अपने बल और पराक्रम को बढ़ाने के लिए भोग विलास की वस्तुओं के संग्रह में लिप्त है।

(ङ) इस पंक्ति से कवि का आशय है कि धरती पर ईश्वर के दिए सुखों का अपार भंडार फैला हुआ है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) कवि ने पृथ्वी और उसके निवासियों के बारे में बताया है कि यह पृथ्वी किसी की खरीदी हुई दासी नहीं है और इस धरती पर रहने वाले सभी निवासियों को उनके जन्म से एक जैसे अधिकार प्राप्त हैं।

(ख) कविता की इस पंक्ति का भावार्थ है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का विकास बाधारहित अर्थात बिना मुश्किलों के तथा संदेह या शंकाओं से मुक्त होना चाहिए।

(ग) धरती पर चैन और शांति लाने के लिए आवश्यक है कि सभी मनुष्यों को न्याय के अनुसार सुख-सुविधाएँ दी जाएँ।

(घ) जब तक मनुष्य के जीवन में समानता का सुख नहीं होगा तथा जब तक धरती के सभी साधन मनुष्य को समान रूप से उपलब्ध नहीं होंगे तब तक कोलाहल तथा संघर्ष की समाप्ति नहीं होगी क्योंकि स्वार्थी लोग केवल अपने लिए धन संचय में लगे हुए हैं जिससे संदेह तथा भय का वातावरण बना रहता है।

(ङ) कवि के अनुसार धरती पर सभी मनुष्यों का समान अधिकार है। सुख के साधनों पर केवल कुछ मनुष्यों का अधिकार ही मनुष्य के दुखों का कारण है। यदि सभी को समान अधिकार मिलें और विकास के समान अवसर मिलें तो यह धरती अवश्य ही स्वर्ग बन जायेगी।

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) कविता की दी गई पंक्तियों में भीष्म पितामह युधिष्ठिर से कहते हैं कि यह धरती किसी की खरीदी हुई दासी नहीं है। इस पर जन्म लेने वाले सभी निवासी एक समान हैं।

(ख) कविता की इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि भीष्म पितामह युधिष्ठिर से कहते हैं कि जब तक इस धरती पर रहने वाले मानव को न्याय के अनुसार सुख-सुविधाएँ प्राप्त नहीं हो जातीं तब तक वह चैन से नहीं बैठ सकता। जब तक मानव का मन अशांत है तब तक क्या इस धरती पर शांति की कल्पना की जा सकती है।

व्याकरण-ज्ञान

1. 'र' के विभिन्न रूपों का प्रयोग करके पाँच-पाँच शब्द लिखिए–

'र' के विभिन्न रूपों का प्रयोग करके बने पाँच-पाँच शब्द

ृ – वृक्ष, मृग, अमृत, नृत्य, पृष्ठ

्र – प्रेम, उग्र, ग्रहण, द्रव्य, प्रमाण

्र – ट्रक, ड्रामा, ट्राम, राष्ट्र, ट्रंक

र्‍ – सूर्य, गर्व, अधर्म, कर्म, बर्फ

2. निम्नलिखित शब्दों के श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द लिखिए–

समान–सामान | चैन–चेन
भव–भाव | क्रीत–कृति
निवासी–नवासी

3. निम्नलिखित विशेष्यों के लिए उचित विशेषण लिखिए–

निवासी–स्थानीय | धरती–तपती
भूमि–ग्रामीण | मानव–मेहनती
दासी–दुष्ट | पर्वत–ऊँचे-ऊँचे
प्रभु–महान | नर–साहसी

10 हिमालय की बेटियाँ

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) हिमालय की नदियों को (ख) (स) पिता-पुत्रियों को

(ग) (द) बेतवा (घ) (ब) सतलुज

2. सही कथन के लिए सत्य तथा गलत कथन के लिए असत्य लिखिए–

(क) सत्य (ख) सत्य

(ग) असत्य (घ) सत्य

(ङ) असत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) लेखक को नदियों का रूप संभ्रात महिला जैसा प्रतीत होता है।

(ख) नदियाँ हिमालय की गोद में खेलती हैं।

(ग) नदियों में बाललीला हिमालय की पहाड़ियों, हरी-भरी घाटियों तथा गुफाओं में देखने को मिलती है।

(घ) लेखक ने नदियों को कभी माँ, कभी बहन, कभी बेटी तथा कभी प्रेमिका के रूप में देखा है।

(ङ) लेखक सलतज नदी में दोपहर के समय पैर लटकाकर बैठ गये। थोड़ी ही देर में उस प्रगतिशील जल ने ऐसा असर डाला जिससे लेखक का तन और मन ताजा हो गया।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) लेखक जब नदियों को देखते हैं तब उनके मन में यह प्रश्न उठते हैं कि ये नदियाँ कहाँ और किसके लिए जा रही है, और इनका लक्ष्य क्या है तथा किसको मिलने के लिए बेचैन रहती हैं। तब लेखक यह सोचते हैं कि ये नदियाँ समुद्र की ओर जा रही हैं और समुद्र से मिलने के लिए बेचैन रहती हैं।

(ख) पाठ में सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदियों की विशेषताएँ बताई गई हैं कि ये दोनों ही महानदियाँ हैं। इन दोनों महानदियों में सारी नदियों का संगम होता है। ये नदियाँ दयालु हिमालय के पिघले दिल की एक-एक बूँद इकट्ठा होकर बनी हैं।

(ग) समुद्र को सौभाग्यशाली इसलिए कहा गया है, क्योंकि उसे हिमालय की सिंधु और ब्रह्मपुत्र दो बेटियों का हाथ पकड़ने का श्रेय मिला है।

(घ) कालिदास के विरही यक्ष ने अपने मेघदूत से कहा था–वेत्रवती (बेतवा) नदी को प्रेम का प्रतिदान देते जाना, तुम्हारी वह प्रेयसी तुम्हें पाकर अवश्य ही प्रसन्न होगी।

(ङ) काला कालेलकर ने नदियों को लोकमाता इसलिए कहा है क्योंकि यह उनका नदियों के प्रति सम्मान है। ये नदियाँ आरंभिक काल से ही हमारा माँ की भाँति भरण-पोषण करती आ रही हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. पाठ में से चुनकर विशेषण और विशेष्य शब्दों के जोड़े बनाइए।

विशेषण	**विशेष्य**
दुबली-पतली, विशाल	गंगा, यमुना, सतलुज
महान	पिता
अतृप्त	हृदय
बरफ जली नंगी	पहाड़ियाँ
छोटे-छोटे	पौधों
बंधुर	अधित्यकाएँ
सब्ज	उपत्यकाएँ
बुड्ढा, दयालु	हिमालय
समतल	मैदानों
नटखट, दो	बेटियों
बड़ी-बड़ी	चोटियों
एक-एक	बूँद
दो	महानदों
सौभाग्यशाली	समुद्र

पहाड़ी	आदमियों
चंचल	नदियों
पहाड़ी	घाटियों
समतल	आँगनों
प्रगतिशील	जल

2. द्वंद्व समास के दस उदाहरण लिखिए।

अन्न-जल, अपना-पराया, रात-दिन, पाप-पुण्य, राजा-रानी, राम-लक्ष्मण, छोटा-बड़ा, अच्छा-बुरा, सुई-धागा, यश-अपयश।

3. किन्हीं पाँच निपात शब्दों को लिखकर उनका वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. ही– तुम्हें सच बोलना ही पड़ेगा।
2. तो– उसने तो हद कर दी।
3. तक– अतिथियों ने अपने आने की खबर तक नहीं की।
4. भी– हम भी घूमने जाएँगे।
5. केवल– मैंने पिकनिक पर केवल पचास रुपये खर्च किए।

4. पाठ में प्रयुक्त व्यक्तिवाचक तथा जातिवाचक संज्ञाओं को चुनकर लिखिए।

व्यक्तिवाचक संज्ञा–हिमालय, गंगा, यमुना, सतलुज, देवदार, चीड़, सरो, चिनार, सफेदा, कैल, सिंधु, ब्रह्मपुत्र, रावी, व्यास, चेनाब, झेलम, काबुल, कपिश, गंगा, यमुना, सरयू, गंडक, कोसी, कालिदास, वेत्रवती (बेतवा), काका कालेलकर, थो–लिङ् (तिब्बत)।

जातिवाचक संज्ञा–महिला, माँ, दादी, मौसी, मामी, मैदान, लड़की, बेटियों, पिता, पहाड़ियाँ, घाटियाँ, समुद्र, बच्चियाँ।

11 नॉर्वे से पत्र

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) पानी के जहाज़ से यात्रा

(ख) (ब) दुहरे-तिहरे परदे

(ग) (अ) बर्फीली (घ) (ब) फ़िनमार्क

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) सैकड़ों (ख) ध्रुव

(ग) जाड़ों (घ) लैपलैंड

(ङ) अँगुलियाँ

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) लेखक के साथ जहाज में जर्मन, ब्रिटेन, फ्रांस तथा अमेरिका देशों के यात्री यात्रा कर रहे थे।

(ख) लेखक ने नॉर्वे के विषय में विचित्र बात यह बतायी है कि वहाँ छह महीने का दिन तथा छह महीने की रात होती है।

(ग) नॉर्वे में निकलने वाली धूप पीली-पीली होती है तथा यह धूप हमारे देश की धूप की तरह गरम नहीं होती।

(घ) स्लेज बिना पहिए के चलने वाली गाड़ी है, जो कुत्तों द्‌वारा खींची जाती है।

(ङ) नॉर्वे के स्कूटरों के पहिए बहुत मोटे होते हैं जो बर्फ पर सरपट भागते हैं और स्लेज गाड़ियाँ भी खींचते हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) उत्तरी नार्वे के लोगों के सारे काम घड़ी के अनुसार होते हैं। दस बजे सो जाते हैं। फिर छह बजे उठते हैं। आठ बजे ऑफिस जाते हैं, फिर चार बजे वहाँ से लौटते हैं। इस प्रकार उनकी दिनचर्या नियमित होती है।

(ख) लैपलैंड के लोगों को सामी कहा जाता है। इनकी प्रमुख विशेषता यह है कि ये लोग बड़े ही रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं। औरतें, मर्द, बच्चे, सब, जैसे किसी मेले में जाने की तैयारी में हों। ये आदिवासी बड़े हँसमुख होते हैं। चारों ओर से मोटे-मोटे ऊनी कपड़ों से ढके रहते हैं। केवल मुँह ही खुला दिखता है।

(ग) हिम प्रदेश में सैकड़ो-हजारों रेंडियर दिखलाई देते हैं। रेंडियर, बारहसिंगे की तरह का जानवर होता है। यह यहाँ का प्रमुख पालतू पशु भी है। पहले कभी ये यों ही झुंड की शक्ल में घूमते रहते थे, परंतु अब इनके लिए बड़े-बड़े बाड़े बने हुए दिखलाई दे रहे हैं।

(घ) उत्तरी नॉर्वे में पाए जाने वाले झबरैले कुत्ते बड़े भयानक लगते हैं। वे रीछ-जैसे होते हैं यदि झपटें तो सब खा जाएँ। ये डरावने कुत्ते रेंडियरों की रखवाली ही नहीं करते बल्कि स्लेज गाड़ियाँ भी खींचते हैं। इन कुत्तों के पाँवों में जूते देखकर कम अचरज नहीं होता।

(ङ) नॉर्वे की भयंकर सरदी से लिखते-लिखते लेखक की अँगुलियाँ जम रही थीं। उसने बहुत गरम कपड़े पहने थे परंतु ऐसा लग रहा था कि जैसे ठंडे पानी के तालाब से निकलकर आ रहा हो।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित कर्तृवाच्य के वाक्यों को कोष्ठकानुसार वाच्य परिवर्तन करके पुनः लिखिए–

(क) पानी के जहाज द्वारा यात्रा की।

(ख) मेरे द्वारा पिछले पत्र में लिखा गया था।

(ग) जाड़ों में सूरज से नहीं चमका जाता।

(घ) मेरे द्वारा तुम्हें यह पत्र लिखा जा रहा है।

(ङ) लैप लोगों से बड़े ही रंग-बिरंगे कपड़े पहने जाते हैं।

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए-

(क) अमेरिका के कुछ यात्री थे।

(ख) यहाँ एक बड़ी विचित्र बात होती है।

(ग) यह यहाँ का प्रमुख पालतू पशु होता है।

(घ) कुत्ते स्लेज गाड़ियाँ खींचते हैं।

(ङ) इतनी भयंकर सरदी है।

3. वचन बदलकर लिखिए–

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
बस्ती	बस्तियाँ	कुत्ता	कुत्ते
यात्रा	यात्राएँ	पहिया	पहिये
दरवाज़ा	दरवाज़े	कपड़ा	कपड़े
लोग	लोग	बच्चा	बच्चे
अँगुली	अँगुलियाँ	औरत	औरतें

4. उचित कारक-चिह्नों का प्रयोग करके रिक्त-स्थान भरिए–

(क) की (ख) के

(ग) से (घ) का

(ङ) के, से

12 पुष्प की अभिलाषा

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) देवकन्या (ख) (द) वीरों के

(ग) (ब) ईश्वर

2. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

(क) **भावार्थ**–फूल अपनी इच्छा प्रकट करते हुए कहता है कि हे ईश्वर! मेरी इच्छा राजाओं के शव पर डाले जाने की नहीं है और न ही मेरी यह इच्छा है कि देवताओं के सिर पर चढ़कर अपने स्वयं के भाग्य पर घमंड करूँ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) पुष्प देवकन्या के गहनों में नहीं गूँथा जाना चाहता।

(ख) देवों के सिर पर चढ़ने के बाद पुष्प के स्वयं को सौभाग्यशाली मानने के भाव व्यक्त होते हैं।

(ग) पुष्प वनमाली से कह रहा है कि उसे तोड़कर उस पथ पर फेंक देना जहाँ से मातृभूमि की रक्षा करने के लिए अनेकों वीर गुजरते हैं।

(घ) पुष्प ने सम्राटों के शव और देवों के सिर पर नहीं चढ़ने की इच्छा व्यक्त की है।

(ङ) 'चाह नहीं प्रेमी माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ।' कविता की इस पंक्ति का अर्थ है कि पुष्प कहता है कि वह यह नहीं चाहता कि वह दो प्रेमी जोड़ों के लिए सिर्फ माला बनकर रह जाए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) पुष्प की इच्छा है कि उसे उस राह या पथ पर डाला जाए, जिस पथ पर मातृभूमि के लिए अपना सब कुछ त्याग करने वाले वीर चला करते हैं।

(ख) पुष्प के अंदर देशभक्ति की भावना जाग्रत है और वह मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपना बलिदान देने वाले वीरों को ही नायक समझता है, इसलिए वह वीरों के जाने वाले पथ पर बिछना चाहता है।

(ग) 'फूल के मन में देश-प्रेम की भावना है'–यह इस बात से स्पष्ट होता है कि वह देश की रक्षा करने वाले वीरों के पथ पर बिछने को व्याकुल है, ताकि वीरों के पैरों तले आकर वह खुद पर गर्व महसूस कर सके और देशभक्ति का परिचय दे सके।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए–

(क) फूल, कुसुम, सुमन

(ख) राजा, नृप, नरेश

(ग) राह, रास्ता, मार्ग

(घ) भगवान, ईश्वर, देवता

(ङ) आभूषण, जेवर, अलंकार।

2. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

समराट–सम्राट	शिश–शीश
भागय–भाग्य	सीर–सिर
मात्रभूमि–मातृभूमि	परेमी–प्रेमी

3. निम्नलिखित शब्दों में से संज्ञा और क्रिया शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए–

संज्ञा

सुरबाला, पुष्प, माला, सम्राट, वनमाली, हरि, देव।

क्रिया

गूँथा, ललचाऊँ, जाऊँ, फेंक, इठलाऊँ, तोड़ना।

4. कविता में आए लययुक्त शब्दों को लिखिए।

जाऊँ-ललचाऊँ, जाऊँ-इठलाऊँ, फेंक-अनेक।

13 गौरा

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (अ) उनकी छोटी बहिन ने (ख) (द) पशु पालना

(ग) (स) लालमणि (घ) (अ) व (ब) दोनों

2. सही कथन के लिए सत्य तथा गलत कथन के लिए असत्य लिखिए–

(क) असत्य (ख) सत्य

(ग) असत्य (घ) सत्य

(ङ) असत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) अत्यंत स्नेह और दुलार से पाले जाने के कारण गौरा अन्य गायों से कुछ विशिष्ट थी।

(ख) गौरा को देखते ही महादेवी का गाय पालने के बारे में अनिश्चय निश्चय में बदल गया।

(ग) 'गौरा का वत्स गेरु का पुतला जैसा जान पड़ता था' क्योंकि उसका रंग लाल था।

(घ) पशु चिकित्सकों ने गौरा के दुर्बल और शिथिल होने का कारण बताया कि गौरा को सुई खिला दी गई है, जो उसके रक्त संचार के साथ हृदय के पार हो जाएगी।

(ङ) गौरा के मृत्यु से संघर्ष को याद करके लेखिका का मन आज भी सिहर उठता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) गौरा लेखिका के घर पली हुई गाय की बछिया थी। वह अत्यंत सुंदर एवं आकर्षक थी। पुष्ट लचीले पैर, भरे पुट्ठे, चिकनी भरी हुई पीठ, लंबी सुडौल गर्दन, निकलते हुए छोटे-छोटे सींग, भीतर की लालिमा की झलक देते हुए कमल की दो अधखुली पंखुड़ियों जैसे कान, लंबी और अंतिम छोर पर काले सघन चामर का स्मरण कराने वाली पूँछ, सब कुछ साँचे में ढला हुआ-सा था। गाय को मानो इटैलियन मार्बल में तराशकर उस पर ओप दी गई है। उसके गौर-वर्ण को देखकर ऐसा लगता था मानो उसके रोमों पर अभ्रक का चूर्ण मल दिया गया हो, जिसके कारण जिधर आलोक पड़ता था, उधर विशेष चमक पैदा हो जाती थी। उसकी काली बिल्लौरी आँखों का तरल सौंदर्य तो दृष्टि को बाँधकर स्थिर कर देता था। चौड़े, उज्जवल माथे और लंबे मुख पर आँखे बर्फ में नीले जल के कुंडों के समान लगती थीं।

(ख) लेखिका गाय पालने अथवा न पालने की दुविधा में पड़ी थीं। लेखिका ने अपनी बहन के घर में पली हुई गाय की जवान बछिया को ध्यानपूर्वक देखा। वह एक सुंदर व स्वस्थ गाय थी। उसकी उज्ज्वलता को देखकर ऐसा लगा कि उसके रोमों पर अभ्रक का चूर्ण मल दिया गया हो, जिसके कारण जिधर आलोक पड़ता था, उधर विशेष चमक उत्पन्न हो जाती थी। अतः लेखिका ने उसे पालने का निश्चय कर लिया। इस प्रकार लेखिका की दुविधा निश्चय में बदल गई।

(ग) गौरा अलस मंथर गति से चलती थी। उसकी यह चाल अत्यंत सुंदर लगती थी। उसकी गति बाण की गति के समान तीव्र नहीं थी। बाण तेजी से चलकर देखने वालो की निगाह में चकाचौंध पैदा तो करता है परंतु उसमें मंथर गति की सुंदरता नहीं होती। गौरा की मंथर गति किसी डाल पर खिंचे हुए उस फूल की तरह सुंदर थी जो मंद हवा के चलने से धीरे-धीरे हिल रहा है। उस फूल को देखने में जो आनंद आता है, वही आनद गौरा को धीरे-धीरे चलते देखकर आता था।

(घ) गौरा घर में पाले गए अन्य पशु-पक्षियों से कुछ ही दिनों में इतना हिल-मिल गई थी कि अन्य पशु-पक्षी अपनी लघुता और उसकी विशालता का अंतर भूल गए। कुत्ते-बिल्ली उसके पेट के नीचे और पैरों के बीच में खेलते थे। पक्षी उसकी पीठ और माथे पर बैठकर उसके कान तथा आँखें

खुजलाते थे। वह भी स्थिर खड़ी रहकर और आँखें मूँदकर मानो उनके संपर्क-सुख की अनुभूति में खो जाती थी।

(ङ) एक वर्ष पश्चात् गौरा ने लाल रंग के बछड़े को जन्म दिया। गौरा अत्यंत उज्ज्वल सफेद रंग की थी। जब दोनों माता-पुत्र (गौरा और उसका बछड़ा) एक साथ होते थे तो अपने सफेद रंग के कारण गौरा बर्फ के समूह की तरह लगती थी और लाल रंग के कारण उसका बछड़ा आग के जलते हुए अंगारे के समान दिखाई देता था। अतः लेखिका ने गौरा को हिमराशि तथा उसके बछड़े को अंगारा कहा है।

(च) लेखिका दुग्ध-दोहन की समस्या का स्थायी समाधान चाहती थी। लेखिका के शहरी नौकर तो दूध दुहना जानते ही नहीं थे और जो गाँव से आए थे, वे अभ्यास न होने के कारण यह कार्य भूल चुके थे कि घंटों लगा देते थे। गौरा के आने से पूर्व जो ग्वाला लेखिका के घर दूध देता था, उसने इस कार्य के लिए अपनी नियुक्ति के विषय में आग्रह किया तब उसे नियुक्त करके लेखिका ने अपनी समस्या का समाधान पा लिया।

(छ) लेखिका को यह जानकर कष्ट हुआ कि गौरा को सुई खिला दी गई थी। वह सुंदर, स्वस्थ व दूध देने वाली गाय थी। सुई खिलाकर उसकी हत्या करने का दुष्टतापूर्ण कार्य निदंनीय था। गाय की हत्या करने का अमानवीय कार्य निःसंदेह कष्टप्रद था। लेखिका को दूसरी अनुभूति आश्चर्य की हुई क्योंकि गौरा ने कभी किसी को हानि नहीं पहुँचाई थी। अतः उसको अकारण मारने के बारे में सोचना आश्चर्यजनक था।

(ज) गौरा का मृत्यु से संघर्ष आरंभ हुआ, अर्थात गौरा की बीमारी बढ़ती जा रही थी। डॉक्टरों ने कहा कि गाय को सेब का रस पिलाया जाए, तो सुई पर कैल्शियम जम जाने और उसके न चुभने की संभावना है। अतः नित्य कई-कई सेर सेब का रस निकालकर नली से गौरा को पिलाया जाता। शक्ति के लिए उसको इंजेक्शन पर इंजेक्शन लगाए जाते। पशुओं के इंजेक्शन के लिए सूजे के समान बहुत लंबी-मोटी सिरिंज तथा बड़ी बोतलभर दवा का प्रयोग होता था। अतः वह इंजेक्शन भी 'शल्य क्रिया' जैसी पीड़ा देता था पर गौरा अत्यंत शांति से बाहर और भीतर दोनों ओर से चुभन और पीड़ा सहती थी। कभी-कभी उसकी उदास आँखों के कोनों में आँसुओं की दो बूँदें झलकने लगती थीं। वह उठ भी नहीं पाती थी तथा धीरे-धीरे उसकी आँखें निस्तेज होने लगी थीं।

(झ) गौरागिंनी को ले जाते समय मानो करुणा का समुद्र उमड़ आया क्योंकि गौरा की किसी निर्मम ग्वाले द्‌वारा हत्या करना अत्यंत दुखदायी था। मरणासन्न तथा पीड़ा से तड़पती हुई गौरा को देखकर महादेवी सिहर उठी थी। उसकी मृत्यु के बाद उसके शव को ले जाते समय लेखिका के आँसू नहीं रुक पाए क्योंकि उसका बछड़ा 'लालमणि' इसे खेल समझ रहा था तथा उछल-कूद कर रहा था।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों का काल भेद बताइए–

(क) वर्तमान काल (ख) भूतकाल

(ग) भूतकाल (घ) वर्तमानकाल

(ङ) भविष्यत्‌काल

2. पाठ में गौरा के लिए प्रयोग किए गए कोई पाँच सर्वनाम तथा विशेषण लिखिए।

सर्वनाम	विशेषण
उसके	विशिष्ट
उसे	प्रियदर्शिनी
यह	दुर्बल
वह	शिथिल
उसकी	हृष्ट-पुष्ट

3. निम्नलिखित समस्त पदों का समास-विग्रह कीजिए–

आत्मविश्वास-आत्मा पर विश्वास प्रियदर्शिनी–प्रिय है जो दर्शिनी

लालमणि–लाल है जो मणि मरणासन्न–जो मरण को आसन्न हो

गोपालक–गौ का पालक

4. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त हुए संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उनके भेद भी बताइए–

	संज्ञा	भेद
(क)	महात्मा गांधी	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	गाय	जातिवाचक संज्ञा
	करुणा	भाववाचक संज्ञा

(ख)	गौरा	व्यक्तिवाचक संज्ञा
(ग)	पशु-पक्षी	जातिवाचक संज्ञा
(घ)	ग्वाला	जातिवाचक संज्ञा
	दूध	द्रव्यवाचक संज्ञा
(ङ)	लखनऊ, कानपुर	व्यक्तिवाचक संज्ञा
	नगर, (पशु-विशेषज्ञ)	जातिवाचक संज्ञा

14 कोई नहीं पराया

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) मनुजत्व
(ख) (ब) धूल को
(ग) (ब) समस्त कल
(घ) (अ) जियो और जीने दो

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) कवि के लिए कोई भी व्यक्ति पराया नहीं है क्योंकि कवि मानवता को मानता है। उनके लिए आदमी ही आराध्य है। उन्हें देवत्व से ज्यादा मानवता अच्छी लगती है।

(ख) कवि मनुष्य को अपना आराध्य मानता है।

(ग) कवि मानवता पर अभिमान करता है क्योंकि उनके लिए मानव सेवा ही सच्ची सेवा है।

(घ) कवि स्वर्ग सुख की सुकुमार कहानियाँ नहीं सुनना चाहता।

(ङ) कवि के अनुसार कवि ने संसार के हित के लिए जन्म लिया है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) कवि ने देशकाल को जंग लगी जंजीर कहा है। वह कहते हैं कि उन्हें देश काल की मजहब और धर्म की जंजीर में मत बाँधो। वह उस स्थान पर नहीं खड़े हैं जहाँ इंसानों को जाति-पाँति, ऊँच-नीच, अमीरी-गरीबी आदि के आधार पर विभाजित किया जाता है।

(ख) मेरा धर्म न कुछ स्याही शब्दों का सिर्फ गुलाम है, कविता की इस पंक्ति में कवि यह कहना चाह रहे हैं कि वह धर्म की किताबों में लिखे गए शब्दों में नहीं बँधा है। उसे सारे संसार से प्रेम है।

(ग) कवि ने संसार को जियो और जीने दो की सीख इसलिए दी है ताकि लोग नफरत को छोड़कर जितना हो सके प्यार को बांटे तथा मिल-जुलकर साथ में जीवन बिताएं। हमें संसार में खुशियाँ बाँटते हुए जीना चाहिए।

(घ) कवि के अनुसार दूसरों की भलाई करते हुए अपना जीवनयापन करना ही जगहित है, जितना अधिक हम लोगों की भलाई करेंगे, उतना ही लोग खुश होंगे और हमें लोगों की खुशी से संतुष्टि मिलेगी। स्वयंहित में हम केवल स्वयं की भलाई के लिए ही सोचते हैं, जिससे हमें वह आनंद प्राप्त नहीं होता जो जगहित जीने में प्राप्त होता है। जगहित में प्राप्त आनंद की मात्रा अनंत है और स्वयंहित में आनंद की मात्रा निश्चित है।

(ङ) 'मेरा दर्द नहीं मेरा है, सबका हाहाकार है।' कविता की इस पंक्ति का आशय यह है कि कवि कहते हैं कि मेरा दर्द सिर्फ मेरा नहीं है। यह सभी लोगों के भय, दुःख या पीड़ा का भाव है। यह सारे संसार की पीड़ा को बयान करते हैं।

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) प्रस्तुत पंक्तियों का भाव यह है कि कवि को सारे संसार से प्रेम है, इसलिए उसे प्रत्येक स्थान पर भगवान के दर्शन होते हैं। यही कारण है कि कवि केवल मंदिर-मसजिद पर ही अपना सिर नहीं झुकाता।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों का भाव है कि कवि कहते हैं कि मुझे देवता नहीं बनना है और नहीं देवत्व का सुख प्राप्त करना है। मनुष्यों के बीच जो भाई-चारा और स्नेह है, उसे छोड़कर मुझे देवताओं की अमरता नहीं चाहिए।

व्याकरण-ज्ञान

1. 'त्व' प्रत्यय का प्रयोग करके अन्य पाँच शब्द लिखिए।

ममत्व, महत्व, पशुत्व, लघुत्व, व्यक्तित्व।

2. निम्नलिखित भिन्नार्थक शब्दों के दो भिन्न-भिन्न अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क) काल (समय) – महाभारत काल में दिल्ली का नाम इंद्रप्रस्थ था।

(मृत्यु) – गंभीर बीमारी के कारण रोहित के दादा जी काल के मुँह में समा गए।

(ख) घट (घटना) – बढ़ती महँगाई के कारण मेरी जमा की गई धन-दौलत घट गई है।

(घड़ा) – नए घर के मुहूर्त के मंगल अवसर पर हम मंदिर से जल का घट भरकर लाए।

(ग) भाग (भाग जाना) – पुलिस को देखकर बदमाश भाग गए।

(किसी वस्तु को टुकड़ों में बाँटना) – माँ ने मिठाई के चार भाग कर दिये।

(घ) हर (प्रत्येक) – हर व्यक्ति अमीर बनना चाहता है।

(हरण करने वाला) भगवान हमारी पीड़ा हर लेते हैं।

(ङ) जग (दुनिया) – जग में विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु पाए जाते हैं।

(एक पात्र) – जग में थोड़ा पानी है।

3. निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

श्रृंगार–श्रृंगार
अभीमान–अभिमान
ससार–संसार
विशमता–विषमता
सर्वग–स्वर्ग
सियाही–स्याही
आराधय–आराध्य
शुल–शूल
सवीकार–स्वीकार
मानव्ता–मानवता

15 सच्ची वीरता

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (द) उपर्युक्त सभी
(ख) (स) महाराज रणजीत सिंह ने
(ग) (अ) कुदरत की समस्त ताकतों का
(घ) (द) 'अ' और 'स' दोनों

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) अगम्य (ख) केंद्र

(ग) वीरता (घ) सत्य

(ङ) दृढ़ता

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) सच्चे वीर पुरुष धीर, गंभीर और आज़ाद होते हैं।

(ख) सच्चे वीर अपने प्रेम के ज़ोर से लोगों के दिलों को सदा के लिए बाँध देते हैं। फौज, तोप-बंदूक आदि के बिना ही वे शहंशाहे-ज़माना होते हैं।

(ग) वीरता की अभिव्यक्ति कई प्रकार से होती है। कभी उसकी अभिव्यक्ति लड़ने-मारने में, खून बहाने में, तलवार-तोप के सामने जान गँवाने में होती है, तो कभी जीवन के गूढ़ तत्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राज विरत होकर वीर हो जाने में होती है।

(घ) लेखक ने कायरों की तुलना टीन के बरतन से इसलिए की है क्योंकि कायर टीन के बरतन की तरह झट से गरम और ठंडा हो जाता है। अर्थात टीन के बरतन की तरह कायर लोगों का मन भी तुरंत बदल जाता है।

(ङ) जब हम कभी वीरों का हाल सुनते हैं, तब हमारे अंदर भी वीरता की लहरें उठती हैं और वीरता का रंग चढ़ जाता है। परंतु प्रायः वह चिरस्थायी नहीं होता। इसका कारण यही है कि सब केवल दिखावे के लिए वीर बनना चाहते हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) बादशाह ने गुलाम को जान से मारने की धमकी दी तो गुलाम ने जवाब दिया कि वह फाँसी तो चढ़ जाएगा पर वह बादशाह का तिरस्कार भी कर सकता है। इस प्रकार गुलाम ने दुनिया के बादशाहों के बल की हद दिखला दी कि अपने बल और शेखी पर ये झूठे राजा मार-पीटकर कायर लोगों को डराते हैं।

(ख) वीरता का विकास होने से एक नया कमाल नज़र आया। एक नई रौनक, एक नया रंग, एक नई बहार, एक नई प्रभुता संसार में छा गई। वीरता हमेशा निराली और नई होती है। नयापन भी वीरता का एक खास रंग है।

वीरता देश-काल के अनुसार संसार में जब कभी प्रकट हुई, तभी एक नया स्वरूप लेकर आई, जिसके दर्शन करते ही सब लोग चकित हो गए।

(ग) 'वीरों की बनाने के कारखाने कायम नहीं हो सकते।' इस वाक्य से आशय है कि वीरता एक स्वाभाविक गुण है, यह मनुष्य में अपने-आप होती है। किसी को प्रशिक्षण देकर वीर नहीं बनाया जा सकता, वीरता के गुण किसी में भरे नहीं जा सकते, वे गुण उनमें मौजूद होते हैं।

(घ) इस पाठ से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें आकाश की तरह स्थिर और अचल तथा समुद्र की तरह विशाल बनना चाहिए। हमारा मन चट्टान की तरह स्थिर हो तथा छोटी-छोटी बातों से घबराकर अपना लक्ष्य न भूलें। वीरता दिखाते हुए सदैव आगे की ओर बढ़ते रहें।

व्याकरण-ज्ञान

1. अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखिए–

(क) अचल (ख) अगम्य

(ग) असंभव (घ) अंतःप्रेरणा

(ङ) अटल

2. नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

तिरस्कार–सम्मान निश्चय–अनिश्चय

स्थिर–अस्थिर विकसित–अविकसित

अचल–चल जीवन–मरण

3. नीचे लिखे शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय को अलग-अलग करके लिखिए–

	मूल शब्द	प्रत्यय
(क)	पवित्र	ता
(ख)	वीर	ता
(ग)	अध्यात्म	इक
(घ)	सच	आई
(ङ)	प्रभु	ता
(च)	ईश्वर	ईय

4. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए–

(क) स् + अ + त् + व् + अ + ग् + उ + ण् + अ

(ख) न् + इ + म् + अ + ग् + न् + अ

(ग) स् + अ + म् + क् + अ + ल् + प् + अ

(घ) अ + र् + अ + ण् + य् + अ

(ङ) च् + अ + ट् + ट् + आ + न् + अ

5. निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों का प्रयोग करके दो-दो शब्द लिखिए–

त्व–महत्त्व, गुरूत्व

क्त–वक्त, रक्त

म्य–सौम्य, अगम्य

ल्प–अल्प, विकल्प

स्त–परास्त, व्यस्त

स्थ–स्थान, स्थायी

16 प्रियतम

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (अ) भगवान विष्णुजी

(ख) (ब) तीन बार

(ग) (अ) तेल पूर्ण पात्र

(घ) (ब) विष्णु जी द्वारा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) नारद जी ने भगवान विष्णु से प्रश्न पूछा कि दुनिया में उनका सबसे बड़ा भक्त कौन है।

(ख) विष्णु जी ने एक किसान को प्राणों से भी प्रियतम कहा है।

(ग) विष्णु जी का उत्तर सुनकर नारद जी ने निर्णय लिया कि वह उनके प्रियतम भक्त की परीक्षा लेंगे।

(घ) विष्णु जी ने नारद जी को यह आवश्यक कार्य दिया कि तेल का बरतन लेकर सारी पृथ्वी घूमकर आइए तथा उसमें से एक बूँद भी तेल नहीं गिरना चाहिए।

(ङ) नारद जी ने तेल का पात्र लेकर जाते समय एक बार भी भगवान का नाम नहीं लिया।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) किसान ने सुबह उठकर भगवान का नाम लिया, फिर दोपहर को हल जोतकर घर के दरवाजे पर पहुँचकर भगवान का नाम लिया तथा उसके बाद स्नान व भोजन करके फिर काम पर चला गया। पुनः शाम को घर पहुँचकर उसने दरवाजे पर फिर भगवान का नाम लिया।

(ख) बैकुंठ लौटने पर नारद जी का मन उल्लास से इसलिए भरा था क्योंकि उनके पात्र से एक बूँद भी तेल नहीं गिरा था और उन्हें उनके प्रश्न का उत्तर मिलने वाला था।

(ग) नारद जी ने अपना आवश्यक कार्य करते समय भगवान का नाम नहीं लेने का यह कारण बताया कि भगवान के दिए हुए कार्य को करने में ही उनका ध्यान लगा हुआ था। विष्णु भगवान ने कहा था कि तेल की एक बूँद भी पात्र से न गिरे।

(घ) भगवान विष्णु ने किसान को अपना प्रियतम भक्त इसलिए कहा है क्योंकि वह किसान भगवान विष्णु के दिए हुए सांसारिक उत्तरदायित्वों का ही निर्वाह कर रहा था, फिर भी वह दिन में तीन बार भगवान का नाम ले रहा था।

(ङ) 'प्रियतम' कविता का भावार्थ– नारद जी को लगता है कि वही भगवान विष्णु के सबसे प्रिय भक्त हैं। यही बात विष्णु जी के मुख से सुनने के लिए वह विष्णुलोक जाते हैं। लेकिन विष्णु जी से पूछने पर वह एक किसान को अपना सबसे प्रिय भक्त बताते हैं। यह जानकर नारद जी किसान की निगरानी करते हैं और देखते हैं कि दिन में केवल तीन बार ही उसने भगवान का नाम लिया। यह देखकर नारद जी वापिस विष्णु जी के पास जाते हैं और यह सब कुछ उन्हें बताते हैं। विष्णु जी उन्हें एक काम देते हैं कि तेल से भरा पात्र लेकर आप पूरी पृथ्वी का भ्रमण कर आइए और इसमें से एक बूँद भी तेल न गिरने पाए। जब नारद जी यह कार्य करके वापिस आते हैं तो विष्णु जी ने उनसे पूछा कि उन्होंने कितनी बार भगवान का नाम लिया। इस पर नारद जी कहते हैं कि वह उन्हीं का दिया हुआ कार्य कर रहे थे, इसलिए भगवान का नाम नहीं लिया। इस पर विष्णु जी कहते हैं कि वह किसान भी मेरा दिया कार्य ही कर रहा है,

फिर भी उसने तीन बार भगवान का नाम लिया, इसलिए वह प्रियतम भक्त है अर्थात ''कर्म ही पूजा है।''

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या लिखिए–

(क) भगवान विष्णु ने नारद जी से कहा कि एक आवश्यक कार्य है जो उनके अलावा और कोई नहीं कर सकता। किसान का विषय तो एक साधारण-सी बात है, उस विषय पर बाद में विवाद हो जाएगा। अतः तब तक उन्हें एक आवश्यक कार्य करने के लिए कहा कि तेल से भरा बरतन लेकर पूरी पृथ्वी घूमकर आइए तथा खास बात यह ध्यान रखनी है कि एक बूँद भी तेल उसमें से नहीं गिरे।

(ख) इन पंक्तियों की व्याख्या इस प्रकार है कि भगवान विष्णु ने नारद जी को कहा कि वह किसान भी भगवान का दिया हुआ काम ही कर रहा है। उस पर एक साथ कई उत्तरदायित्व हैं, जिनको वह एक साथ निभाता हैं और काम करते हुए भगवान का नाम भी लेता है।

व्याकरण-ज्ञान

1. विलोम शब्द लिखिए–

सज्जन–दुर्जन	स्नेह–द्वेष
सत्य–असत्य	प्रधान–गौण
साधारण–असाधारण	उल्लास–उदासी
आवश्यक–अनावश्यक	मधुर–कर्कश

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर उनकी क्रिया तथा उसका काल बताइए–

	क्रिया	**काल**
(क)	गए	भूतकाल
(ख)	लिया	भूतकाल
(ग)	होगा	भविष्यत्काल
(घ)	निभाता है	वर्तमान काल

(ङ) लज्जित हुए भूतकाल

3. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

भूमंडल–पृथ्वी भगवान–ईश्वर

किसान–कृषक सत्य–सच

विष्णु–नारायण उत्तरदायित्व–ज़िम्मेदारी

17 गुलेलबाज लड़का

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) बोधराज (ख) (स) गुलेल

(ग) (ब) चील (घ) (अ) पेड़ों पर

2. सही कथन के लिए सत्य तथा गलत कथन के लिए असत्य लिखिए–

(क) सत्य (ख) सत्य

(ग) असत्य (घ) असत्य

(ङ) असत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) 'वह बड़ा जालिम था।' यह वाक्य बोधराज के लिए कहा गया है क्योंकि वह गली की नाली पर बैठने वाले बर्रे के डंक निकालकर उनकी टाँग में धागा बाँधकर उन्हें पतंग की तरह उड़ाता था।

(ख) बोधराज अपने हाथ में एक गुलेल रखता था। उसका निशान अचूक था। इसलिए उसे गुलेलबाज कहा गया है।

(ग) बोधराज की जेब में तरह-तरह की चीजें रखी मिल जाती थीं, कभी मैना का बच्चा, कभी तरह-तरह के अंडे या काँटेदार झाऊ चूहा।

(घ) लेखक की माँ बोधराज से अपने गोदाम के घोंसले साफ करवाना चाहती थी।

(ङ) बोधराज ने गुलेल से चील पर निशाना इसलिए लगाया क्योंकि चील मैना के घोंसले की ओर बढ़ने लगी थी और मैना के बच्चे डर से चिल्लाने लगे थे।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) 'बोधराज का निशाना अचूक था।' ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि वह घोंसलों पर ऐसा निशाना लगाता कि पक्षियों की चीं-चीं सुनाई देती और घोंसले बिखर जाते।

(ख) बोधराज ने अपने साथियों को गोह के बारे में बताया कि गोह साँप जैसा एक जानवर होता है, जो बालिश्त भर लंबा होता है मगर उसके पैर और आठ पंजे होते हैं। साँप के पैर नहीं होते।''

(ग) लेखक और बोधराज गोदाम में घोंसले साफ करने गए। वहाँ उन्होंने देखा कि फर्श पर पंख और पक्षियों की बीट बिखरी हुई थी। घोंसले में तिनके और रुई के फाहे नजर आ रहे थे। दूसरी तरफ शहतीर पर कबूतर बैठे हुए गुटरगूँ-गुटरगूँ कर रहे थे। घोंसले में मैना के बच्चे थे और एक चील पंख फैलाए रोशनदान में बैठी थी।

(घ) लेखक ने जब बोधराज को गोदाम से बाहर चलने के लिए कहा क्योंकि वहाँ चील थी तब बोधराज ने मना कर दिया और कहा कि अगर वे चले गए तो चील मैना के बच्चों को खा जाएगी। लेखक को बोधराज की यह बात अटपटी लगी क्योंकि वह अकसर पक्षियों के घोंसले और उनके अंडे तोड़ देता था। उनके बच्चों को भी मार देता था परंतु इस समय बोधराज के व्यवहार में काफी परिवर्तन आ गया था।

(ङ) बोधराज मेज़ उठाकर घोंसले के बिलकुल नीचे लाया, एक टूटी कुर्सी मेज़ पर रखी, फिर उस पर चढ़कर घोंसले को उठा लिया और मेज़ से नीचे छलाँग लगा दी।

लेखक और बोधराज दोनों घोंसले को लिए हुए गोदाम से निकलकर गैराज में आ गए। गैराज में एक दरवाजा और एक छोटा-सा झरोखा था। जहाँ तक चील नहीं पहुँच सकती थी। घोंसले में बैठे मैना के बच्चे चुप हो गए तथा उन्होंने उनकी चोंच में बूँद-बूँद पानी डाला। बोधराज रोशनदान को बंद करने के मंसूबे बनाता रहा, ताकि वह चील अंदर न आ सके। इस प्रकार उसने मैना के बच्चों को बचाया।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) अचूक (ख) सहपाठी

(ग) कष्टदायी (घ) निरीह

(ङ) गुलेलबाज़

2. पाठ में आए निम्नलिखित शब्द युग्मों के वाक्य बनाइए–

(क) तरह-तरह – माँ ने होली के त्योहार पर तरह-तरह के पकवान बनाए।

(ख) बूँद-बूँद – घड़े से बूँद-बूँद पानी टपक रहा है।

(ग) माँ-बाप – हमें अपने माँ-बाप का कहना मानना चाहिए।

(घ) कभी-कभी – बड़े हो जाने पर कभी-कभी बचपन के दिन बहुत याद आते हैं।

(ङ) छोटे-छोटे – छोटे-छोटे बच्चे पार्क में झूला झूल रहे हैं।

(च) तोड़-फोड़ – अजय के पुराने मकान में तोड़-फोड़ चल रही है।

3. वर्ण विच्छेद कीजिए–

(क) क् + अ + ष् + ट् + अ

(ख) त् + अ + र् + अ + क् + क् + ई

(ग) प् + र् + अ + स् + अ + न् + न् + अ

(घ) क् + उ + र् + स् + ई

(ङ) ब् + आ + ल् + इ + श् + त् + अ

18 जल-यात्रा

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (द) जल (ख) (ब) नदी

(ग) (स) 25 करोड़ से कुछ अधिक

(घ) (ब) दूषित जल

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) भाप (ख) कृषि

(ग) भारतीय संस्कृति (घ) जहर

(ङ) रणभेरी

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) लेखक के अनुसार सूर्य की गरमी से तपकर समुद्र का पानी भाप बनता है। निराकार भाप ऊपर जाकर साकार बादल बन जाती है।

(ख) जिस भूमि पर केवल वर्षा के जल से खेती होती है, लेखक ने उसे 'देव मातृक' और जो ज़मीन केवल वर्षा के भरोसे न रहकर नदी के पानी से सिंचित होती है, उसे 'नदी मातृक' कहा है।

(ग) 'हजारों वर्षों से मनुष्य नदी की ओर खिंचता चला आया है' क्योंकि वह हमारी और हमारे खेतों की प्यास बुझाती है तथा वह हमारी आत्मा को भी तृप्त करती है।

(घ) नदी में घुले रसायन कॉलरा, टायफाइड और दस्त जैसी बीमारियाँ फैलाते हैं।

(ङ) रसायनों, उर्वरकों, कीटनाशकों, कारखानों के अशोधित अवशिष्टों और शहरों के हजारों टन अशोधित मल के कारण नदियाँ विषाक्त हो रही हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) बादल उस घड़ी की प्रतीक्षा कर रहे थे जब उनका अपने जीवन को सार्थक करने का समय आ गया क्योंकि लोक-कल्याण के लिए वे अपने आपको उत्सर्ग कर देगें। बंजर ज़मीन को उपजाऊ बनाएँगे, समुद्र ने जो धन (जल) उसे सौंपा है उसे धरती को सौंप देंगे। अगर बादल बरसता नहीं तो उसका फेरा बेकार ही जाता।

(ख) नदी का पानी मछलियों से लबालब रहता था। नदी-तट पर बसने का यही बहुत बड़ा आकर्षण था। वह एकमात्र ऐसा आहार था, जो बारहों महीने मिलता था। पीने के लिए पानी, खाने के लिए मछली और खेती के लिए वह उपजाऊ मिट्टी जिसे नदी बाढ़ के समय बहाकर लाती है। लोगों को आसानी से नदी तट पर मिल जाता था।

(ग) नदी लोगों को जीवनदायी जल प्रदान करती है। नदी के कारण कृषि संभव हुई। कृषि योग्य भूमि भी नदी के पानी से सिंचित होती है। मछली का आहार लोगों को बारह महीने नदियों से ही मिलता है तथा खेती के लिए उपजाऊ मिट्टी भी नदी बाढ़ के समय बहाकर लाती है। नदियों के कारण ही मनुष्य ने एक जगह घर बसा कर रहना शुरू किया जिससे उसके जीवन में महत्त्वपूर्ण मोड़ आया।

(घ) रसायनों, उर्वरकों, कीटनाशकों, कारखानों के अशोधित अवशिष्टों और शहरों के हजारों टन अशोधित मल के कारण नदियाँ विषाक्त हो रही हैं। जहरीले रसायनों के कारण पानी का एक बहुत बड़ा भाग ऑक्सीजन-रहित हो जाता है। ऐसी स्थिति में लाखों मछलियाँ ऑक्सीजन न मिलने के कारण दम घुटने से मर जाती हैं।

(ङ) 'जल-प्रदूषण के विरूद्ध रणभेरी बजाने का समय आ गया है।' ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि जब मनुष्य असभ्य था, तब नदियाँ स्वस्थ और स्वच्छ थीं। आज जब मनुष्य सभ्य हो गया है तो नदियाँ मलिन और विषाक्त हो गई हैं। नदियों में स्वयं अपनी सफाई करने की क्षमता थी परंतु बढ़ते हुए प्रदूषण के कारण नदियाँ अपनी यह क्षमता खोती जा रही हैं। अतः नदियों को विषाक्त होने से बचाने के लिए तथा प्रदूषण रहित करने के लिए यह रणभेरी बजाना आवश्यक है।

व्याकरण-ज्ञान

1. वाक्यों को कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार बदलिए–

(क) नदियों को साफ करके रेगिस्तानों में पानी ला रहे हैं।

(ख) लोग जैसे ही अपने घरौंदे बनाते वैसे ही नदी उन्हें नष्ट कर देती।

(ग) सूर्य की गरमी से तपता है और समुद्र का पानी भाप बन जाता है।

(घ) हवा जितनी स्वच्छ लग रही है, उतनी ही मादक लग रही है।

(ङ) हम पर्यावरण को क्षति पहुँचाने के साथ ही नदियों को विषाक्त कर रहे हैं।

2. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विशेषण और विशेष्य को छाँटकर लिखिए–

	विशेषण	विशेष्य
(क)	स्वच्छ, मादक	हवा
(ख)	ऊँची	अटारी
(ग)	ऊँचे	पहाड़
	घने	जंगलों
(घ)	फटते	बादलों
	मोहक	दृश्य
(ङ)	सजीव	कलाकृतियाँ
(च)	असभ्य	मनुष्य
	स्वस्थ, स्वच्छ	नदियाँ

3. निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए–

घनिष्ट –घनिष्ठ	विशाक्त–विषाक्त
उतसर्ग–उत्सर्ग	आर्दता–आर्द्रता
वृश्टि–वृष्टि	रनभेरी–रणभेरी

4. 'र' के विभिन्न रूपों से बने तीन-तीन शब्द लिखिए–

(क)	प्रदूषण	प्रयोग	प्रणाम
(ख)	कृपा	कृषि	दृष्टि
(ग)	कर्म	धर्म	चर्चा